भारत सरकार

गृह मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या 120*

दिनांक 03.03.2015/12 फाल्गुन, 1936 (शक) को उत्तर के लिए

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

†*120. श्री भर्तृहरि महताबः
श्री संजय धोत्रेः

क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की तर्ज पर सभी राज्यों द्वारा राज्य मानवाधिकार आयोग स्थापित किये गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष और चालू वर्ष के दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में प्राप्त शिकायतों की संख्या और उनके लंबित रहने की दर वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;
(ग) कितने मामलों में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मुआवजे की सिफारिश की है और उक्त अवधि के दौरान राज्य-वार ऐसे मामलों की संख्या कितनी है, जिनमें पीड़ितों को वास्तव में मुआवजे का भुगतान कर दिया गया है; और
(घ) सरकार द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा प्रदान किए गए मुआवजों के समय पर भुगतान हेतु क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री किरेन रिजिजू)

(क) से (घ) : एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है ।

*****

दिनांक 03.03.2015 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 120 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) : राज्य सरकारों से प्राप्त सूचना के अनुसार, 24 राज्यों अर्थात आन्ध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, जम्मू एवं कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, हरियाणा, गोवा, पश्चिम बंगाल और मेघालय ने मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की धारा 21 के तहत राज्य मानवाधिकार आयोगों (एसएचआरसी) की स्थापना की है । शेष राज्यों अर्थात अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा और नागालैंड ने अभी तक राज्य मानवाधिकार आयोगों की स्थापना नहीं की है । संसद द्वारा अधिनियमित मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राज्य मानवाधिकार आयोग की स्थापना का प्रावधान है । देश के संघीय ढांचे को ध्यान में रखते हुए इन आयोगों का अधिकार-क्षेत्र निर्दिष्ट किया गया है ।

(ख) और (ग) : वर्ष 2011-12, 2012-13, 2013-14 और 2014-15 (दिनांक 31.01.2015 तक) की अवधि के दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में पंजीकृत, निपटान किए गए और लंबित मानवाधिकारों के कथित उल्लंघन की शिकायतों की संख्या अनुलग्नक-I में दी गई है । एनएचआरसी द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, आयोग में पंजीकृत शिकायतों की संख्या में वृद्धि के कारण लंबित मामलों की दर में वृद्धि हुई है । एनएचआरसी ने गत तीन वर्षों और चालू वर्ष (दिनांक 01.04.2011 से 31.01.2015) के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों में 1680 मामलों में 49.12 करोड़ रु. की आर्थिक राहत की सिफारिश की है । सिफारिश की गई आर्थिक राहत में से, 1134 मामलों के लिए 29.76 करोड़ रु. का भुगतान किया गया है । गत तीन वर्षों और चालू वर्ष (दिनांक 31.01.2015 तक) के दौरान आयोग द्वारा सिफारिश किए गए आर्थिक राहत के मामलों की राज्य-वार संख्या को दर्शाने वाला विवरण अनुलग्नक-II में संलग्न है ।

(घ) : सरकार निर्धारित समय के अंदर एनएचआरसी द्वारा प्रदान किए गए मुआवजे के भुगतान के लिए सभी आवश्यक कदम उठाती है । आयोग अपनी सिफारिशें के अनुपालन के लिए संबंधित राज्य सरकार के साथ सभी आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई भी करती है और अपनी सिफारिशों का अनुपालन न किए जाने के पहलू को अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भी शामिल करता है जिसे संसद में रखा जाता है ।

अनुलग्नक-I

दिनांक 03.03.2015 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 120 के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में पंजीकृत, निपटाए गए और लंबित मामलों के राज्य-वार कुल संख्या को दर्शाने वाला विवरण

		01.04.2011 से 31.03.2012			01.04.2012 से 31.03.2013			01.04.2013 से 31.03.2014			01.04.2014 से 31.01.2015		
क्रसं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	पंजीकृत	निपटाए गए	लंबित	पंजीकृत	निपटाए गए	लंबित	पंजीकृत	निपटाए गए	लंबित	पंजीकृत	निपटाए गए	लंबित
1	आन्ध्र प्रदेश	838	801	37	876	811	65	931	657	274	899	689	210
2	अरुणाचल प्रदेश	31	28	3	39	32	7	48	25	23	154	67	87
3	असम	385	275	110	473	353	120	407	278	129	551	297	254
4	बिहार	3303	3205	98	4752	4576	176	4362	3821	541	3775	2926	849
5	गोवा	86	84	2	62	59	3	55	52	3	42	33	9
6	गुजरात	1108	1062	46	2041	1957	84	1585	1419	166	1283	993	290
7	हरियाणा	4175	4083	92	9440	9223	217	10297	9813	484	12262	11206	1056
8	हिमाचल प्रदेश	180	178	2	300	288	12	256	201	55	248	159	89
9	जम्मू और कश्मीर	371	273	98	411	393	18	389	319	70	328	234	94
10	कर्नाटक	1319	1300	19	908	867	41	698	632	66	980	690	290
11	केरल	563	550	13	947	364	583	583	498	85	474	333	141
12	मध्य प्रदेश	2700	2638	62	2649	2482	167	2392	2099	293	3144	2451	693
13	महाराष्ट्र	2385	2315	70	4487	4243	244	3164	2838	326	2446	1986	460
14	मणिपुर	162	127	35	110	74	36	93	52	41	106	67	39
15	मेघालय	50	43	7	48	31	17	59	32	27	85	24	61
16	मिजोरम	18	15	3	20	18	2	19	8	11	15	10	5
17	नागालैंड	12	11	1	16	13	3	20	12	8	28	16	12
18	ओडिशा	3380	3197	183	5847	5478	369	5435	4554	881	4223	2878	1345
19	पंजाब	1271	1243	28	2397	2307	90	1908	1729	179	1566	1139	427
20	राजस्थान	2884	2825	59	3299	3175	124	2649	2229	420	2708	1909	799
21	सिक्किम	14	14	0	5	3	2	17	14	3	15	13	2
22	तमिलनाडु	1930	1879	51	3329	3208	121	2678	2430	248	1793	1577	216
23	त्रिपुरा	70	58	12	748	745	3	1040	1022	18	75	53	22
24	उत्तर प्रदेश	52216	51730	486	47769	46868	901	44800	40155	4645	43455	36143	7312
25	पश्चिम बंगाल	1614	1537	77	1848	1668	180	1465	1239	226	1625	1199	426
26	अं. और नि. द्वीपसमूह	49	46	3	34	32	2	35	29	6	20	17	3
27	चंडीगढ़	212	205	7	238	228	10	165	140	25	181	144	37
28	दादरा और नगर हवेली	14	14	0	18	18	0	18	16	2	10	6	4
29	दमण और दीव	16	16	0	17	16	1	13	11	2	10	9	1
30	दिल्ली	7865	7717	148	8264	7962	302	7168	6389	779	7805	6643	1162
31	लक्षद्वीप	8	8	0	5	5	0	36	29	7	8	8	0
32	पुदुचेरी	76	70	6	77	69	8	75	53	22	71	56	15
33	छत्तीसगढ़	776	730	46	811	731	80	820	636	184	1014	684	330
34	झारखंड	1811	1720	91	1636	1521	115	1645	1421	224	1661	1244	417
35	उत्तराखंड	2022	2010	12	2370	2330	40	1857	1732	125	2227	1912	315
36	तेलंगाना	721	681	40	698	657	41	654	545	109	678	500	178
	कुल	**94635**	**92688**	**1947**	**106989**	**102805**	**4184**	**97836**	**87129**	**10707**	**95965**	**78315**	**17650**

अनुलग्नक-।।

दिनांक 03.03.2015 के लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 120 के भाग (ख) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

गत तीन वर्षों और चालू वर्ष (दिनांक 01.04.2011 से 31.01.2015) के दौरान राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा सिफारिश की गई आर्थिक राहत के मामलों की राज्य-वार संख्या को दर्शाने वाला विवरण

क्रसं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	एनएचआरसी द्वारा सिफारिश की गई आर्थिक राहत		सिफारिश की गई आर्थिक राहत का भुगतान और बंद किए गए मामले	
		मामलों की सं.	राशि	मामलों की सं.	राशि
1	अं. और नि. द्वीपसमूह	1	300000	1	300000
2	आन्ध्र प्रदेश	35	6540000	22	4205000
3	अरुणाचल प्रदेश	5	4175000	2	575000
4	असम	76	39540000	52	24770000
5	बिहार	106	31321000	81	26576000
6	चंडीगढ़	8	990000	3	425000
7	छत्तीसगढ़	43	15900000	36	14890000
8	दमण और दीव	1	100000	1	100000
9	दिल्ली	91	17710000	58	9240000
10	गोवा	2	4185000	2	4185000
11	गुजरात	47	11575000	39	7475000
12	हरियाणा	58	20059000	47	10769000
13	हिमाचल प्रदेश	7	1850000	5	1250000
14	जम्मू और कश्मीर	8	3500000	4	1800000
15	झारखंड	79	28220000	52	10670000
16	कर्नाटक	24	4650000	20	3090000
17	केरल	22	4020000	12	2270000
18	मध्य प्रदेश	69	20677000	45	10267000
19	महाराष्ट्र	98	24760000	67	16010000
20	मणिपुर	32	18435000	8	4085000
21	मेघालय	10	3725000	9	3700000
22	मिजोरम	5	1600000	5	1600000
23	नागालैंड	2	200000	2	200000
24	ओडिशा	43	13420000	18	6285000
25	पुदुचेरी	2	600000	2	600000
26	पंजाब	22	7531172	13	4425000
27	राजस्थान	55	12515000	34	6840000
28	सिक्किम	2	400000	2	400000
29	तमिलनाडु	41	8150000	29	5450000
30	तेलंगाना	31	4880000	25	4280000
31	त्रिपुरा	10	3050000	9	3020000
32	उत्तर प्रदेश	559	150322000	367	89477000
33	उत्तराखंड	36	13665000	28	9915000
34	पश्चिम बंगाल	50	12655000	34	8495000
	कुल	**1680**	**491220172**	**1134**	**297639000**